Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–342

B.A. (Part–III) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - I

(आधुनिक काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) 'शम्बूक' काव्य में चित्रित मुख्य समस्या को स्पष्ट कीजिए।

   (ii) जगदीश गुप्त द्वारा रचित 'शम्बूक' लघु काव्य में कुल कितने अंश हैं ? नामोल्लेख कीजिए।

   (iii) गुप्त जी की कविता 'निर्बल का बल' का मूल भाव लिखिए।

(iv) महादेवी वर्मा की कविता 'तुम मुझमें प्रिय फिर क्या परिचय' में निहित संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

(v) रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं का मूल स्वर राष्ट्रीयता है। स्पष्ट कीजिए।

(vi) अज्ञेय द्वारा प्रयोगवाद का प्रवर्तन किया गया। इसके पीछे क्या कारण रहे थे ?

(vii) धूमिल की कविता 'बीस साल बाद' में व्यक्त मोहभंग की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

(viii) हरिश भादानी की कविता 'उड़ ना मन मत हार सुपर्णे' के पीछे उद्देश्य क्या है ?

(ix) काव्य बिम्ब से क्या अभिप्राय है ?

(x) विकलांग विमर्श क्या है ? संक्षिप्त परिचय लिखिए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित अवतरणों की सात में से किन्हीं **पाँच** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

2. शूद्र हूँ मैं
मानव समाज में
मेरा अस्तित्व बहुत अल्प है
फिर भी
जाने क्यों मेरे मन में
युग–युग से परिभाषित
व्यक्ति के चरित्र को
मानव भविष्य को
नये सन्दर्भों में
जानने समझने का
उपजा संकल्प है।

3. न जाने कौन, अये द्युतिमान !
जान मुझको अबोध, अज्ञान,
सुझाते हो तुम पथ अनजान,
फूकँ देते छिद्रों में गान,
अहे सुख–दुख के सहचर मौन।
नहीं कह सकता तुम हो कौन!

4. निर्बल का बल राम है।

हृदय! भय का क्या काम है॥

राम वही कि पतित-पावन जो

परम दया का धाम है।

इस भव सागर से उद्धारक

तारक जिसका नाम है।

हृदय, भय का क्या काम है॥

तन-बल, मन-बल और किसी को

धन-बल से विश्राम है,

हमें जानकी-जीवन का बल

निशिदिन आठों याम है।

हृदय भय का क्या काम है॥

5. कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त

कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त

दाने आए घर के अन्दर कई दिनों के बाद

धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद

चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद

कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।

6. हरि ने भीषण हुंकार किया,

अपना स्वरूप-विस्तार किया,

डगमग-डगमग दिग्गज डोले,

भगवान् कुपित होकर बोले—

''जंजीर बढ़ाकर साध मुझे

हाँ-हाँ, दुर्योधन! बाँध मुझे।

यह देख, गगन मुझमें लय है

यह देख, पवन मुझमें लय है,

मुझमें विलीन झँकार सकल,

मुझमें लय है संसार सकल''

7. हमारी हिन्दी एक दुहाजू की नयी बीबी है

बहुत बोलने वाली बहुत खाने वाली बहुत सोने वाली

गहने गढ़ाते जाओ

सर पर चढ़ाते जाओ

वह मुटाती जाए

पसीने से गन्धाती जाए, घर का माल मैके पहुँचाती जाए

पड़ोसिनों से जले

कचरा फेंकने को लेकर लड़े।

8. नहीं मालूम

हो या नहीं

रच देती है तुम्हें लेकिन

प्रार्थना मेरी

स्रष्टा करती हुई मुझे

मैं भी प्रार्थना हूँ क्या तुम्हारी

ओ मेरे स्रष्टा

किसे निवेदित पर!

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

9. शम्बूक खण्डकाव्य में समसामयिक चिन्तन बोध की अभिव्यक्ति हुई है। स्पष्ट कीजिए।

10. जयशंकर प्रसाद छायावाद के प्रमुख स्तम्भ हैं। स्पष्ट कीजिए।

11. अज्ञेय के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को समझाकर लिखिए।

12. शृंगार रस तथा हास्य रस की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।